Mahila college Samastipur
Department of History
B.A II (Hons)

DR. ANU KUMARI
Date :- 12/02/2024

Q. जहाँगीर की धार्मिक नीति पर प्रकाश डाले?

=> जहाँगीर के शासनकाल में धार्मिक नीति के सम्बंध में निम्न प्रमुख कदम उठाए गए।

1) राजपूतों को मुगल अमीर वर्ग में पहले की तरह शामिल किया जाता रहा।

2) राजपूतों से वैवाहिक सम्बंध पहले की तरह जारी रहे।

3) अफगानियों एवं मराठों को पहली बार मुगल मनसबदारी व्यवस्था मे शामिल किया गया।

4) कांगरा अभियान के दौरान ज्वालामुखी मंदिर को नष्ट करवा दिया गया।

5) पुष्कर के वराह मन्दिर को नष्ट करवा दिया गया।

6) सिख गुरु अर्जुन देव को फाँसी की सजा दी गई।

7) सूफी संत शेख अहमद सरहिन्दी को जेल में बंद करवा दिया गया।

8) एक अन्य धार्मिक नेता मुजाहिद - अलिफ - सानी को तीन वर्षों तक ग्वालियर जेल में रखा गया।

9) कई अन्य धार्मिक नेता जैसा - कौकब, अब्दुल लतीफ एवं शरीफ जैसों को जेल में डाल दिया गया।

Scanned with CamScanner

जहाँगीर के इन कार्यों के सम्बन्ध में विश्लेषण की आवश्यकता है। पहले तीन कार्य जहाँ उसे अकबरकालीन धार्मिक सहिष्णुता के नजदीक लाते हैं वहीं बाद के उसके कार्य धार्मिक कट्टरता के द्योतक हैं। यहीं तक यह तथ्य उल्लेखनीय है कि उसने हिन्दू एवं मुसलमान दोनों के विरुद्ध कार्यवाही की। अनेक धार्मिक नेताओं को उसने केवल इसलिए गिरफ्तार कर लिया क्योंकि उसे उनके विचार पसंद नहीं थे। अर्जुन देव को सजा सिख होने के कारण नहीं मिली बल्कि खुसरो के विद्रोह में शामिल होने के कारण मिला। लेकिन फिर भी यह सजा उन्हें व्यक्तिगत तौर पर मिली न कि पूरे सिख समुदाय को दण्डित किया गया था। यहाँ तक कि वह एक प्रमुख नेता जगतगुरु गोसाई जो तीन बार मिला था और उसने हिन्दू दर्शन पर उसके विचार माँगे थे। यदि इन कार्यों को गौर से देखा जाय तो ऐसा लगता है कि जहाँगीर आमतौर पर धर्म के प्रति सहिष्णु था एवं सुलह-ए-कुल की नीति में पूर्ण विश्वास रखता था।